राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT उदयपुर

हवामहल

बच्चों का झरोखा

24 फरवरी 2024 | शनिवार | वर्ष : 04 | अंक : 200

आज की कविता

गाजर शकरकंद चले न्योते में

3 + वर्ष के बच्चों के लिए | Parag

गाजर शकरकंद तो न्योते में चल दिए हैं । उनके साथ लौकी, कद्दू, टमाटर और भिंडी भी अपना अपना एक्शन करते हुए एक एक करके आ रहे हैं। क्या होगा जब सब इकट्ठे होंगे ? मूली क्या करने वाली है इस न्योते में ? आइये जानते है इस कविता में, कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

आज की कहानी

हमारा दोस्त कौन है?

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | BookBox

जंगल के सब जानवर जानते हैं कि उनका सबसे मददगार दोस्त कौन है। मगरमच्छ , ज़ेब्रा, जिराफ़ और दूसरे जानवर अपने इस दोस्त की मदद से जंगल में बड़े आराम से रहते हैं । क्या तुम जानना चाहोगे ये दोस्त कौन है ? जानने के लिए सुनते हैं ये प्यारी सी कहानी। कहानी सुनने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें ।

आज की किताब

पहियों की दुनियां

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Room to Read

पहिये हमारे कितने काम आते हैं | जिसने भी पहिये को पहली बार बनाया, वो आज अगर हमारे बीच होते तो उनको कैसा लगता? हमारे आस पास पहिये कहाँ-कहाँ है? लेकिन क्या आपने पहियों के बिना दुनिया की कल्पना की है? इसके बिना यह दुनिया कितनी अलग होगी | आप कैसी दुनियां में रहना पसंद करोगे? पहियों वाली या बिना पहियों वाली? चलिये पढ़ते है यह मज़ेदार कहानी।

आज की गतिविधि

रेल के पहियों का कमाल

6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Arvindguptatoys

कभी आपने सोचा है कि पटरियों के मुड़ने की बाद भी रेल एक तरफ न तो झुकती है न गिरती है? ऐसा कैसे होता है ? क्या खासियत है रेल के पहियों में जो इसे संभाले रखते हैं ? आइए देखते हैं ये साधारण सा प्रयोग। प्रयोग देखने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें।

टीचर्स कॉर्नर

कहानियाँ आखिर करती क्या है?

शिक्षकों के लिए | Pathshala

कहानियाँ सदियों से सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहार का हिस्सा रही है। अब ये सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है । औपचारिक अनौपचारिक शिक्षण में बहुतेरे प्रयोग होते रहते है। प्रस्तुत आलेख में कहानियों के मनो-सामाजिक प्रतिफल के साथ ही शैक्षिक उपक्रम के सन्दर्भ में उनका अनुभवजन्य विश्लेषण किया गया है । चित्र पर क्लिक कर आलेख पढे ।

हमारा पुस्तकालय

होम लाइब्रेरी

शिक्षकों के लिए | News18 Hindi

पाली जिले के बाली ब्लॉक में कुंडल गाँव के भील समुदाय के बच्चे होम लाइब्रेरी के जरिए किताबों से जुड़ रहे हैं और उनकी पढ़ने की आदत विकसित हो रही है। शिरीष खरे ने अपने ब्लॉग में पराग इनीशियेटिव की मदद से चल रही इन होम लाइब्रेरी और उनके असर के बारे में लिखा है।

आज का अंक आपको कैसा लगा ? आपके सुझावों से अवगत कराने के लिए नीचे दी गई सुझाव पेटी पर क्लिक करें |

साथियों, हवामहल का 200वां अंक आपके साथ साझा किया जा रहा है । आशा है इसके पाठको की अपेक्षाओं पर यह खरा उतरेगा । अगले सप्ताह प्रसारित होने वाले अंक के लिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ बायीं और दी गई सूझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें । धन्यवाद ।

#सबपढ़े **#सबबढे**

हवामहल के सभी अंको को प्राप्त करने के लिए QR कोड SCAN करें |